कक्षा 9 · हिंदी · 'गंगा' (NCERT 2026) · गद्य खंड

पाठ 1
दो बैलों की कथा

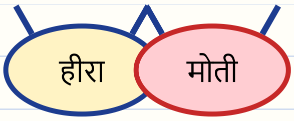

मैत्री और स्वाधीनता

प्रेमचंद · कहानी · CBSE 2026-27 (आर-1)

पाठ का मानचित्र (★ = परीक्षा के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण)

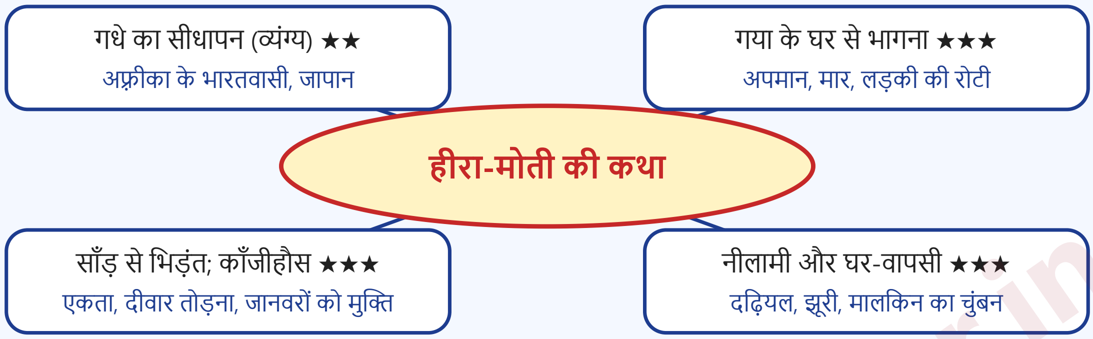

लेखक परिचय

प्रेमचंद का जन्म **1880** में **लमही (वाराणसी, उत्तर प्रदेश)** में हुआ; मूल नाम **धनपत राय**। शिक्षा विभाग में नौकरी की, पर **असहयोग आंदोलन** में सक्रिय भाग लेने के लिए त्यागपत्र देकर लेखन को समर्पित हो गए। कहानियाँ **'मानसरोवर'** के आठ भागों में संकलित; उपन्यास: **सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कायाकल्प, निर्मला, गबन, कर्मभूमि, गोदान**; पत्रिकाएँ: **हंस, जागरण, माधुरी**। विषय: किसान, मज़दूर, दलित, स्त्री, स्वाधीनता आंदोलन; पशु-पक्षियों को भी आत्मीयता। भाषा **सरल, जीवंत, मुहावरेदार**। निधन **1936**।

★ परीक्षा-सुझाव: कक्षा 9 में बोर्ड परीक्षा नहीं होती; विद्यालय की वार्षिक परीक्षा (80 अंक) में **'गंगा' से 30 अंक** आते हैं। इस अध्याय में पुस्तक के **सभी अभ्यास** हल हैं और **महत्त्वपूर्ण परीक्षा प्रश्न** (गद्यांश, लघु और दीर्घ उत्तरीय) पूरी तरह हल हैं।

एक पंक्ति में: झूरी काछी के दो बैल **हीरा और मोती** गहरे मित्र हैं; उन्हें बेचकर/उधार देकर **गया** के घर भेजा जाता है, पर वे अपमान, मार और भूख सहकर भी हार नहीं मानते, बार-बार बंधन तोड़ते हैं, साँड़ से मिलकर लड़ते हैं, काँजीहौस की दीवार तोड़कर दूसरे जानवरों को आज़ाद कराते हैं और अंत में नीलामी से बचकर **अपने घर लौट आते** हैं: **स्वाधीनता के लिए बार-बार संघर्ष** का प्रतीक।

SAMPLE · notesbazar.in

1.1 कहानी का सार (पाँच भागों में) ★★★

भूमिका: गधा और बैल (व्यंग्य) ★★

- जानवरों में **गधा** सबसे बुद्धिहीन माना जाता है; किसी को परले दरजे का बेवकूफ़ कहना हो तो उसे 'गधा' कहते हैं। पर लेखक पूछते हैं: गधा सचमुच बेवकूफ़ है या उसके **सीधेपन और निरापद सहिष्णुता** ने उसे यह पदवी दी है? गाय, कुत्ता भी क्रोध करते हैं, पर गधे को कभी क्रोध करते नहीं देखा; '**सुख-दुख, हानि-लाभ**, किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा।'
- **व्यंग्य:** 'देखिए न, भारतवासियों की अफ़्रीका में क्या दुर्दशा हो रही है?... अगर वे भी **ईंट का जवाब पत्थर से** देना सीख जाते, तो शायद सभ्य कहलाने लगते। **जापान** की मिसाल सामने है। एक ही विजय ने उसे संसार की सभ्य जातियों में गण्य बना दिया।' अर्थात दुनिया सीधेपन को मूर्खता समझती है।
- गधे का 'छोटा भाई' **बैल** है; वह कभी-कभी अड़ जाता है, असंतोष प्रकट करता है, इसलिए उसका स्थान गधे से नीचा है।

भाग 1: झूरी के बैल; गया के घर जाना ★★★

- **झूरी काछी** के दो बैल: **हीरा और मोती**, पछाईं जाति के, सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। लंबे साथ से दोनों में **भाईचारा**; वे **मूक-भाषा** में विचार-विनिमय करते, एक-दूसरे को चाटकर, सूँघकर, सींग मिलाकर प्रेम प्रकट करते; कभी-कभी **विनोद में** सींग भी मिला लेते ('दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है')।
- झूरी ने बैलों को अपने ससुराल भेजा; साला **गया** उन्हें ले गया; बैलों ने समझा कि **मालिक ने उन्हें बेच दिया**। गया को उन्हें ले जाने में **दाँतों पसीना** आ गया।
- रात को दोनों ने **पगहे (रस्सियाँ) तुड़ाए** और भागकर झूरी के घर लौट आए। झूरी उन्हें देखकर **स्नेह से गद्गद** हुआ; गाँव के बालक तालियाँ बजाकर स्वागत करने लगे ('गाँव के इतिहास में यह घटना अभूतपूर्व न होने पर भी महत्त्वपूर्ण थी')।
- पर झूरी की स्त्री ने बैलों को द्वार पर देखा तो **जल उठी**: '**कैसे नमकहराम बैल हैं** कि एक दिन वहाँ काम न किया, भाग खड़े हुए।' झूरी ने आपत्ति की; स्त्री ने मज़दूर से कहकर **सूखा भूसा** डलवाया।

भाग 2: गया के घर दोबारा; छोटी लड़की ★★★

- अगले दिन गया फिर आया और बैलों को **गाड़ी में जोतकर** ले गया। रास्ते में मोती ने दो-चार बार गाड़ी को खाई में गिराना चाहा, पर **सहनशील हीरा** ने संभाल लिया।
- गया ने उन्हें **मोटी रस्सियों** से बाँधा और **सूखा भूसा** डाल दिया, जबकि अपने बैलों को खली-चूनी। बैलों का **अपमान** हुआ।
- दूसरे दिन गया ने उन्हें **हल में जोता**, पर दोनों ने जैसे **पाँव न उठाने की कसम** खा ली थी। गया ने **डंडे बरसाए**; मोती का क्रोध भड़का, वह हल लेकर भागा, जुआ, जोत, सब टूट गया। फिर **मार** पड़ी और **सूखा भूसा**।
- संध्या समय भैरो की **छोटी-सी लड़की** दो रोटियाँ लेकर निकली और दोनों के मुँह में देकर चली गई। उसकी **माँ मर चुकी** थी; **सौतेली माँ** उसे मारती रहती थी, इसलिए इन बैलों से उसे **आत्मीयता** हो गई थी। दोनों दिन भर जोते जाते, डंडे खाते, अड़ते और शाम को लड़की उन्हें रोटी खिला जाती।
- मोती ने कहा कि वह गया को सींग पर उठाकर फेंक दे; हीरा ने कहा: '**लड़की अनाथ हो जाएगी**।' मोती: 'तो मालकिन को न फेंक दूँ? वही तो उस लड़की को मारती है।' हीरा: '**लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है**, यह भूले जाते हो।'
- रात को **वही लड़की** आई और बोली: 'खोले देती हूँ। चुपके से भाग जाओ, नहीं तो ये लोग मार डालेंगे।' उसने **रस्सियाँ खोल दीं** और फिर स्वयं चिल्लाई: '**दोनों फूफा वाले बैल भागे जा रहे हैं**' (ताकि उस पर संदेह न हो)।

भाग 3: भटकना; साँड़ से भिड़ंत ★★★

- दोनों सीधे दौड़ते गए, **मार्ग का ज्ञान न रहा**; भूख लगी तो खेत में **मटर** चरी; आज़ादी का अनुभव कर उछलने-कूदने लगे।

SAMPLE · notesbazar.in

- सामने एक **मोटा-ताज़ा साँड़** आता दिखा: 'पूरा हाथी'। उससे भिड़ना जान से हाथ धोना, न भिड़ने पर भी जान बचती नहीं (**संघर्ष/दुविधा**)। दोनों ने **मिलकर** योजना बनाई: एक आगे से, दूसरा पीछे से वार; साँड़ को दोनों ओर से मार पड़ी और वह **भागा**।
- मोती साँड़ का पीछा करना चाहता था; हीरा ने रोका: '**गिरे हुए बैरी पर सींग न चलाना चाहिए**।'

भाग 4: मटर का खेत; काँजीहौस ★★★

- सामने मटर का खेत था; **मोती** उसमें घुस गया; हीरा मना करता रहा। रखवाले आए; हीरा निकल भागा, मोती कीचड़ में फँस गया; हीरा भी **मित्र को अकेला न छोड़ने** के लिए लौट आया। दोनों पकड़े गए।
- प्रातःकाल दोनों **काँजीहौस** (आवारा पशुओं का बाड़ा) में बंद; वहाँ भैंसें, बकरियाँ, घोड़े, गधे; सबकी हालत खराब, **किसी के सामने चारा नहीं**। हीरा ने कहा: 'हमारी जान को कोई जान ही नहीं समझता।'
- रात को हीरा ने **सींगों से कच्ची दीवार** तोड़ना शुरू किया; चौकीदार ने आकर उसे **मोटी रस्सी** से बाँध दिया। मोती ने दीवार गिराई: **घोड़ियाँ, बकरियाँ, भैंसें** निकल भागीं, पर **दोनों गधे** डर के मारे खड़े रहे ('जो कहीं फिर पकड़ लिए जाएँ!')।
- मोती ने हीरा की रस्सी तोड़नी चाही, न टूटी; हीरा: 'तुम जाओ।' मोती: '**तुम मुझे इतना स्वार्थी समझते हो?** हम और तुम इतने दिनों एक साथ रहे हैं। आज तुम विपत्ति में पड़ गए, तो मैं तुम्हें छोड़कर अलग हो जाऊँ?' 'इतना तो हो ही गया कि **नौ-दस प्राणियों की जान बच गई**। वे सब तो आशीर्वाद देंगे।' उसने गधों को सींगों से मार-मारकर बाहर निकाला और मित्र के पास सो गया। सुबह **मोती की खूब मरम्मत** हुई, उसे भी मोटी रस्सी से बाँधा गया।

भाग 5: नीलामी और घर-वापसी ★★★

- एक सप्ताह तक भूखे बँधे रहे, ठठरियाँ निकल आईं। **डुग्गी** बजी, नीलामी हुई; एक **दढ़ियल आदमी** (लाल आँखें, कठोर मुद्रा: कसाई) ने उन्हें खरीदा; अंतर्ज्ञान से दोनों के दिल काँप उठे। हीरा: 'गया के घर से नाहक भागे। अब जान न बचेगी।' मोती ने भगवान की दया पर संदेह किया; हीरा: 'एक बार भगवान ने **उस लड़की के रूप में** हमें बचाया था।'
- रास्ते में **परिचित राह** दिखी, वही खेत, बाग, कुआँ; थकान भूलकर दौड़े और **अपने थान** पर खड़े हो गए। झूरी ने बारी-बारी गले लगाया; **आनंद के आँसू**।
- दढ़ियल ने रस्सियाँ पकड़ीं; झूरी: 'मेरे बैल हैं... इसका सबूत यह है कि मेरे द्वार पर खड़े हैं।' दढ़ियल ज़बरदस्ती करने बढ़ा तो **मोती ने सींग चलाया**, उसे गाँव के बाहर तक खदेड़ा, 'विजयी शूर की भाँति' रास्ता रोके खड़ा रहा।
- मोती: '**मर जाऊँगा, पर उसके काम तो न आऊँगा**।' नाँदों में खली, भूसा, चोकर, दाना भरा गया; सारे गाँव में उछाह; **मालकिन ने आकर दोनों के माथे चूम लिए**।

1.2 पात्र और प्रतीक ★★★

पात्र	विशेषताएँ
हीरा	**धैर्यवान, शांत, सहनशील**, विवेकी, नैतिक ('गिरे हुए बैरी पर सींग न चलाना', 'औरत जात पर सींग चलाना मना'), मित्र-भक्त, मेहनती
मोती	**उग्र, गुस्सैल, साहसी**, स्वाभिमानी, विद्रोही, मित्र के लिए त्याग करने वाला (हीरा को छोड़कर न भागना), परोपकारी (गधों को निकालना)
झूरी	दयालु किसान; बैलों से गहरा स्नेह (फूल की छड़ी से भी न छूता)
झूरी की स्त्री	पहले क्रोधी ('नमकहराम', सूखा भूसा), अंत में स्नेहमयी (माथे चूमना)
गया	कठोर, निर्दयी; बैलों को मारता, भूखा रखता
छोटी लड़की	भैरो की बेटी, सौतेली माँ से पीड़ित; दुखी होने से **बैलों के दुख को समझती**; करुणामयी, साहसी (रस्सी खोलना)

SAMPLE · notesbazar.in

दढ़ियल	कठोर, संभवतः कसाई; शोषक का प्रतीक

स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ाव: कहानी अंग्रेज़ी शासन के समय लिखी गई। हीरा-मोती **स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करती भारतीय जनता** के प्रतीक; गया और दढ़ियल **दमनकारी शासन** के; काँजीहौस **पराधीनता/जेल** का; दीवार तोड़कर सबको मुक्त करना **सामूहिक मुक्ति** का; गधे **डर से गुलामी स्वीकार करने वालों** के। संदेश: **स्वतंत्रता आसानी से नहीं मिलती, बार-बार संघर्ष** करना पड़ता है।

भाषा-शैली

- **चित्रात्मक:** 'दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे।'
- **मुहावरेदार:** दाँतों पसीना आना, जल उठना, नौ-दो ग्यारह होना।
- **व्यंग्य:** अफ़्रीका के भारतवासी, गधे का सीधापन।
- **मानवीकरण, संवादात्मकता:** बैलों की 'मूक-भाषा' में बातचीत; **पंचतंत्र/हितोपदेश** की परंपरा।

शब्दार्थ

निरापद = सुरक्षित, बिना हानि का; सहिष्णुता = सहनशीलता; पछाईं = पश्चिम की (अच्छी नस्ल); पगहा = पशु बाँधने की रस्सी; गोईं = बैलों की जोड़ी; नमकहराम = कृतघ्न; काँजीहौस = आवारा पशुओं का बाड़ा; रगेदना = खदेड़ना; मल्लयुद्ध = कुश्ती; ग्रास = कौर; उजड्डपन = उद्दंडता; बूता = बल; डुग्गी = छोटा नगाड़ा; उन्मत्त = मतवाला; नीलाम = बोली लगाकर बिक्री; अख़्तियार = अधिकार; थान = पशु बाँधने का स्थान।

पाठ्यपुस्तक 'गंगा' के अभ्यास, पूरी तरह हल

मेरे उत्तर मेरे तर्क (सटीक उत्तर + कारण)

1. हीरा और मोती का आपसी संबंध मुख्य रूप से दर्शाता है: (क) प्रतिस्पर्धा (ख) एकता और सहयोग (ग) गर्व और दंभ (घ) विद्रोह और क्रोध

> **उत्तर: (ख) एकता और सहयोग।** तर्क: दोनों ने मिलकर साँड़ को हराया, मटर के खेत में मोती फँसा तो हीरा लौट आया, काँजीहौस में मोती ने हीरा को छोड़कर भागने से मना कर दिया।

2. हीरा-मोती ने नया स्थान स्वीकार क्यों नहीं किया? (क) भरपेट भोजन मिला (ख) मोटी रस्सी से बाँधा (ग) मालिक ने बेचा, यह सोचकर अपमान लगा (घ) अलग-अलग बाँधा

> **उत्तर: (ग)।** तर्क: उन्होंने समझा कि झूरी ने उन्हें बेच दिया; प्रिय मालिक से बिछुड़ना और स्वयं को 'बेचा गया' मानना उन्हें **अपमान** लगा।

3. बैलों ने रस्सी तोड़कर घर लौटने का निर्णय क्यों लिया? (क) कष्टों से बचने (ख) स्वतंत्रता प्राप्त करने (ग) अभिमान की रक्षा (घ) अपनापन पाने के लिए

> **उत्तर: (घ) अपनापन पाने के लिए।** तर्क: पहली बार भागकर वे सीधे **झूरी के घर** गए, जहाँ उन्हें स्नेह मिलता था; उनके लिए घर और मालिक का अपनापन सबसे बड़ा था। (स्वतंत्रता की भावना भी साथ है।)

4. गया द्वारा डंडे से मारने पर मोती का आक्रोश किस मनोवृत्ति का द्योतक है? (क) स्वाभिमान (ख) अहिंसा (ग) पराधीनता (घ) अन्याय की रक्षा

> **उत्तर: (क) स्वाभिमान।** तर्क: अन्याय और अपमान सहना उसे स्वीकार नहीं; वह हल लेकर भागा, सब तोड़ डाला।

5. बैलों की 'मूक-भाषा' का प्रयोग लेखक ने किसलिए किया? (क) रोचकता (ख) मनुष्य जैसी चेतना दिखाने (ग) संवाद छोटे रखने (घ) हास्य हेतु

> **उत्तर: (ख) मनुष्य जैसी चेतना दिखाने के लिए।** तर्क: मूक-भाषा से बैल सोचते, योजना बनाते, नैतिक बहस करते दिखते हैं; इससे पाठक उनके दुख-सुख को मनुष्य की तरह अनुभव करता है।

6. स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ें तो हीरा-मोती किसके प्रतीक? (क) अंग्रेज़ों के क्रूर शासन (ख) संग्राम में पशुओं का योगदान (ग) सत्याग्रह-अहिंसा (घ) स्वतंत्रता के लिए भारतीय जनता के संघर्ष के

> **उत्तर:** **(घ)।** तर्क: वे बार-बार बंधन तोड़ते हैं, अन्याय सहने से इनकार करते हैं और अंत में 'घर' (स्वराज) पहुँचते हैं।

मेरी समझ मेरे विचार

1. बैलों ने नए मालिक के यहाँ काम करने से इनकार क्यों कर दिया?

> **उत्तर:** (1) उन्हें लगा कि झूरी ने उन्हें **बेच दिया**; वे अपने प्रिय मालिक से अलग नहीं होना चाहते थे। (2) गया ने उन्हें **मोटी रस्सियों** से बाँधा, **सूखा भूसा** दिया और **डंडे** मारे: अपमान और अन्याय के विरोध में उन्होंने **असहयोग** किया, 'पाँव न उठाने की कसम' खा ली।

2. 'गाँव के इतिहास में यह घटना अभूतपूर्व न होने पर भी महत्त्वपूर्ण थी।' बैलों का घर लौटना साधारण घटना क्यों नहीं?

> **उत्तर:** पशु पहले भी भागकर लौटे होंगे (अभूतपूर्व नहीं), पर हीरा-मोती ने **रात में पगहे तुड़ाकर**, लंबा रास्ता तय कर मालिक का घर खोजा: यह उनके **प्रेम, निष्ठा और स्वाधीनता की भावना** का प्रमाण था। बैलों के मन में अपमान का दुख और घर लौटने की खुशी; झूरी के मन में स्नेह और गर्व। गाँव के बच्चों ने तालियों से 'वीरों' का स्वागत किया। वास्तविक जीवन में भी पालतू पशु अपने मालिक के पास लौट आते हैं।

3. 'कभी-कभी संघर्ष करना आवश्यक हो जाता है': कहानी के उदाहरणों से सिद्ध कीजिए।

> **उत्तर:** (1) गया के अत्याचार के आगे झुकने के बजाय बैलों ने **हल नहीं खींचा**। (2) **साँड़** से भागते तो भी जान न बचती; **मिलकर लड़े** और जीते। (3) **काँजीहौस** की दीवार तोड़कर स्वयं और नौ-दस प्राणियों को मुक्त कराया। (4) अंत में **दढ़ियल** को सींग से खदेड़ा। संघर्ष के बिना वे या तो भूखे मरते या कसाई के हाथ पड़ते।

4. हीरा-मोती 'स्वतंत्रता' और 'अपनापन' में से किस भावना से अधिक प्रेरित थे?

> **उत्तर:** **दोनों से**, पर मूल प्रेरणा **अपनापन** है: वे हर बार **झूरी के घर** ही लौटना चाहते थे, जहाँ स्नेह था; यदि केवल स्वतंत्रता चाहते तो कहीं भी चले जाते। फिर भी अपमान और बंधन के विरोध में उनकी **स्वतंत्रता की भावना** भी स्पष्ट है ('मर जाऊँगा, पर उसके काम तो न आऊँगा')। (दूसरा पक्ष भी तर्क सहित स्वीकार्य।)

5. 'अत्याचार सहना भी अन्याय में भागीदारी है': क्या आप सहमत हैं?

> **उत्तर:** **हाँ।** चुपचाप अत्याचार सहने से अत्याचारी का साहस बढ़ता है और अन्याय चलता रहता है (कहानी के **गधे** डर से कैद में ही रहे)। हीरा-मोती ने विरोध किया, इसलिए मुक्त हुए। पर विरोध **मर्यादा** में हो: हीरा ने गिरे बैरी और स्त्री पर वार न करने की सीख दी।

6. हीरा-मोती अभिन्न मित्र थे: किन घटनाओं से? (तीन बिंदु)

> **उत्तर:** (1) मटर के खेत में **मोती फँसा** तो भागा हुआ हीरा भी **लौट आया** और साथ पकड़ा गया। (2) काँजीहौस में हीरा बँधा था तो मोती ने **अकेले भागने से इनकार** किया और मार खाई। (3) साँड़ से **मिलकर लड़े**; (4) गाड़ी में मोती ने उत्पात किया तो हीरा ने संभाला; (5) मूक-भाषा, चाटना-सूँघना, विनोद में सींग मिलाना।

7. मालकिन और छोटी लड़की के व्यवहार की तुलना कीजिए।

> **उत्तर:** **मालकिन (झूरी की स्त्री):** पहले बैलों को '**नमकहराम**' कहा, सूखा भूसा डलवाया; पर अंत में उनकी वफ़ादारी देखकर **माथे चूम** लिए: बदलता, परिस्थिति-आधारित स्नेह। **छोटी लड़की:** स्वयं सौतेली माँ से पीड़ित होने के कारण बैलों के दुख को समझती; बिना किसी स्वार्थ के **रोटियाँ खिलाती**, जोखिम उठाकर **रस्सी खोलती**: निःस्वार्थ, निरंतर करुणा।

मेरी कल्पना मेरे अनुमान

1. यदि आप वह छोटी लड़की होते, तो बैलों की मदद कैसे करते?

> **उत्तर:** (नमूना) मैं चुपके से उन्हें रोटी और पानी देता/देती, उनकी चोटों पर हल्दी लगाता; रात को रस्सी खोलकर उन्हें झूरी के गाँव का रास्ता दिखाता; गाँव के बड़ों या पंचायत से कहकर गया को मारने से रोकने का प्रयास करता।

2. 'भय और संकोच इंसान को अवसर मिलने पर भी जकड़े रखता है।' क्या आप सहमत हैं?

> **उत्तर: हाँ।** काँजीहौस की दीवार टूटने पर भी **गधे** डर से नहीं भागे ('जो कहीं फिर पकड़ लिए जाएँ!')। जीवन में भी कई विद्यार्थी डर या झिझक से कक्षा में प्रश्न नहीं पूछते, प्रतियोगिता में भाग नहीं लेते और अवसर खो देते हैं। साहस से ही अवसर का लाभ मिलता है।

मेरे अनुभव मेरे विचार

1. 'दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है।' क्या आप सहमत हैं?

> **उत्तर: हाँ।** सच्चे दोस्तों में औपचारिकता नहीं रहती; हल्की छेड़छाड़, मज़ाक, धौल-धप्पा अपनापन दिखाते हैं। जहाँ बहुत औपचारिकता हो, वहाँ दोस्ती 'हल्की' और सतही लगती है। पर मज़ाक इतना न हो कि मित्र को ठेस पहुँचे।

2. 'गिरे हुए बैरी पर सींग न चलाना चाहिए' (हीरा) बनाम 'बैरी को ऐसा मारना चाहिए कि फिर न उठे' (मोती): आप किसके साथ हैं?

> **उत्तर:** मैं **हीरा** के साथ हूँ: पराजित, निहत्थे शत्रु पर वार करना **अनैतिक और कायरता** है; भारतीय परंपरा (युद्ध-धर्म) भी यही कहती है। पर आत्मरक्षा में दृढ़ता (मोती जैसी) भी ज़रूरी है: जब शत्रु फिर आक्रमण करे, तब पूरी शक्ति से रोकना चाहिए।

3. क्या कभी आपने किसी विपत्ति का सामना मित्र या परिजन के साथ मिलकर किया है?

> **उत्तर:** (नमूना) पिछले वर्ष मेरी सहेली की परीक्षा से पहले तबीयत खराब हो गई; मैंने रोज़ उसके घर जाकर नोट्स समझाए और हम दोनों ने साथ पढ़कर परीक्षा अच्छे अंकों से पास की। तब समझा कि **संकट में साथ** ही सच्ची मित्रता है।

कहानी की पड़ताल (मुख्य बिंदु)

बिंदु	'दो बैलों की कथा'
शीर्षक और लेखक	दो बैलों की कथा: प्रेमचंद
विषय	पशुओं का प्रेम, मित्रता, स्वाधीनता के लिए संघर्ष
क्रिया/कार्य	भागना, असहयोग, साँड़ से लड़ना, काँजीहौस तोड़ना, घर लौटना
परिवेश/देश-काल	उत्तर भारत का गाँव; अंग्रेज़ी शासन का समय
चरित्र/पात्र	हीरा, मोती, झूरी, स्त्री, गया, लड़की, दढ़ियल
परिणाम	संघर्ष की जीत; बैल घर लौटे, सम्मान मिला

कहानी का सौंदर्य (उदाहरण 2)

विशेषता	उदाहरण
चित्रात्मक भाषा	'दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे। दोनों की पूँछें खड़ी हो गईं।'
संवादात्मकता	'तुम मुझे इतना स्वार्थी समझते हो, हीरा?'
विरोधाभास	मालकिन पहले 'नमकहराम' कहती है, अंत में माथे चूमती है।
व्यंग्य	'गधा सचमुच बेवकूफ़ है या उसके सीधेपन ने उसे यह पदवी दी है?'
संघर्ष	काँजीहौस: दीवार तोड़ें तो मार पड़ेगी, न तोड़ें तो भूखे मरेंगे।
अतिशयोक्ति	'साँड़ पूरा हाथी है।'
संदेह/उलझन	नीलामी पर: 'वह कौन है और उन्हें क्यों टटोल रहा है?'

कहानी का समय और समाज: मिलान

1 ('ज़ोर तो मारता ही जाऊँगा, चाहे कितने ही बंधन पड़ते जाएँ') → **6** (सेनानी बार-बार जेल गए, पर संघर्ष नहीं छोड़ा) · 2 ('मर जाऊँगा, पर उसके काम तो न आऊँगा') → **5** (प्राण देना स्वीकार्य, अंग्रेज़ों की सेवा नहीं) · 3 ('हमारी जान को कोई जान ही नहीं समझता') → **4** (दासता में भारतीयों के प्राण-सम्मान की महत्ता नहीं) · 4 ('रोम-रोम में

विद्रोह भरा था') → **2** (जनता में विद्रोह गहराता गया) · 5 ('नौ-दस प्राणियों की जान बच गई') → **1** (क्रांतिकारियों के बलिदान से लाखों में प्रेरणा) · 6 ('साँड़ पूरा हाथी है... जान हथेलियों पर लेकर लपके') → **3** (शक्तिशाली साम्राज्य का साहस से सामना)।

पशुओं के लिए कानून

1. काँजीहौस में बंद होना न्याय और अन्याय दोनों कैसे?

उत्तर: न्याय: बैलों ने दूसरे का **मटर का खेत चरा** था; नियम के अनुसार आवारा/नुकसान करने वाले पशु बाड़े में बंद किए जाते हैं। **अन्याय:** वहाँ उन्हें **एक सप्ताह भूखा** रखा गया, मारा गया और **नीलाम** कर कसाई को दे दिया गया; उनके मालिक को सूचना तक नहीं दी गई।

2. आप बैलों की ओर से कौन-से कानूनी अधिकार माँगेंगे?

उत्तर: (1) भरपेट चारा-पानी का अधिकार; (2) **मारपीट और क्रूरता** से सुरक्षा (पशु-क्रूरता निवारण); (3) बीमार/घायल पशु का उपचार; (4) नीलामी से पहले **मालिक को सूचना** और पहचान का अवसर; (5) बूढ़े पशुओं को कसाई के बजाय गोशाला/आश्रय।

3. हीरा-मोती की ओर से थानाध्यक्ष को शिकायती पत्र।

उत्तर: सेवा में, थानाध्यक्ष महोदय, ग्राम क.ख.ग. · **विषय: अपने साथ हुए अन्याय की शिकायत।**
महोदय, हमारा नाम हीरा और मोती है; हम झूरी काछी के बैल हैं। हमें गया ने मोटी रस्सियों से बाँधकर भूखा रखा और डंडों से पीटा। फिर काँजीहौस में हमें एक सप्ताह तक चारे का एक तिनका तक नहीं दिया गया और मारपीट की गई; हमारे मालिक को बताए बिना हमें एक दढ़ियल व्यक्ति को नीलाम कर दिया गया। कृपया दोषियों पर पशु-क्रूरता का मामला दर्ज करें और भविष्य में काँजीहौस में पशुओं को भोजन मिले, यह सुनिश्चित करें।
प्रार्थी, हीरा और मोती

हमारी धरोहर और संस्कृति

1. हीरा-मोती कौन-से कार्य कभी नहीं करते थे?

उत्तर: (1) **गिरे हुए बैरी** पर वार नहीं करते; (2) **स्त्री** पर सींग नहीं चलाते; (3) **मित्र को विपत्ति** में छोड़कर नहीं भागते; (4) छोटी लड़की को अनाथ करने वाला काम (गया को मारना) नहीं करते; (5) अपना 'धर्म' (मर्यादा) नहीं छोड़ते: 'वह अपना धर्म छोड़ दे, लेकिन हम अपना धर्म क्यों छोड़ें!'

2. हीरा के कथन किन भारतीय मूल्यों की ओर संकेत करते हैं?

उत्तर: क्षमा और युद्ध-धर्म (निहत्थे/पराजित पर वार न करना), **नारी-सम्मान**, **मर्यादा और नैतिकता**, अहिंसा की भावना, करुणा।

3. (क) कृषि के पारंपरिक और आधुनिक उपकरण; (ख) बैल किन कामों में सहायक?

उत्तर: (क) पारंपरिक: हल-जुआ (जुताई), पाटा (ढेले तोड़ना), दराँती/हँसिया (कटाई), रहट/चरस/पुर (सिंचाई), बैलगाड़ी (ढुलाई), सूप (ओसाना)। **आधुनिक:** ट्रैक्टर, रोटावेटर, सीड-ड्रिल (बुआई), कंबाइन हार्वेस्टर (कटाई-मड़ाई), ट्यूबवेल/स्प्रिंकलर/ड्रिप (सिंचाई), थ्रेशर, ड्रोन (छिड़काव)। **(ख)** खेत जोतना, बैलगाड़ी से माल ढोना, कोल्हू (तेल/गन्ना पेरना), रहट से सिंचाई, मड़ाई (दाँय चलाना); शहरों में ठेला/गाड़ी खींचना; गोबर से खाद और ईंधन; उत्सवों (पोला, जल्लीकट्टू) में सम्मान।

अलग-अलग और साथ-साथ

1–2. हीरा-मोती की विशेषताएँ; उनकी भिन्न विशेषताएँ एक-दूसरे को कैसे पूरा करती हैं?

उत्तर: हीरा: धैर्यवान, शांत, सहनशील, विवेकी। **मोती:** गुस्सैल, साहसी, उग्र, तुरंत कार्य करने वाला। **समान:** मेहनती, स्वाभिमानी, मित्र-भक्त। **पूरक:** मोती के साहस से संघर्ष संभव होता है (हल तोड़ना, दढ़ियल को भगाना), तो हीरा का विवेक उसे सीमा में रखता है (गाड़ी गिरने से बचाना, गिरे बैरी और स्त्री पर वार से रोकना)। दोनों मिलकर ही साँड़ और काँजीहौस पर जीतते हैं।

4. हीरा-मोती आपस में किस प्रकार बातें करते होंगे?

उत्तर: सींग मिलाकर, एक-दूसरे को चाटकर या सूँघकर, कान-पूँछ हिलाकर, आँखों के इशारे से, धीमी हुंकार और रँभाहट से, सिर हिलाकर सहमति-असहमति।

5. आप बिना शब्दों के कब-कब संवाद करते हैं?

उत्तर: कक्षा में शिक्षक की बात पर सिर हिलाना; मित्र को आँख से इशारा; दूर से हाथ हिलाकर अभिवादन; खेल में संकेत; ट्रैफ़िक पुलिस के हाथ के संकेत; मुस्कान से धन्यवाद; मूक-बधिर मित्र से **भारतीय सांकेतिक भाषा** में बात।

मार्ग खोजेंगे कैसे?

उत्तर: भटकने पर: घबराएँ नहीं; **ऑनलाइन मानचित्र** देखें; **पुलिस**, दुकानदार, डाकघर, विद्यालय, सरकारी भवन से पूछें; सड़क के **सूचना-पट** और दुकानों के बोर्ड पढ़ें; माता-पिता का फ़ोन नंबर याद रखें; अनजान लोगों की गाड़ी में न बैठें। विद्यालय में **आपदा-निकासी मानचित्र** पर अपनी कक्षा से सबसे निकट सुरक्षित मार्ग पहचानें।

भाषा गढ़ते मुहावरे

मुहावरा	अर्थ और वाक्य
दाँतों पसीना आना	बहुत कठिनाई होना: पहाड़ चढ़ने में दाँतों पसीना आ गया।
दिल काँप उठना	बहुत डर जाना: तेज़ आँधी देखकर दिल काँप उठा।
जल उठना	क्रोधित/ईर्ष्या होना: उसकी सफलता देखकर पड़ोसी जल उठे।
दिल में ऐंठकर रह जाना	मन मसोसकर रह जाना: अपमान सुनकर वह दिल में ऐंठकर रह गया।
खबर लेना	दंड देना/डाँटना: देर से आने पर पिताजी ने खूब खबर ली।
जी तोड़कर काम करना; गम खाना	पूरी मेहनत करना; सहन करना: किसान जी तोड़कर काम करते हैं। बात बढ़ाने के बजाय उसने गम खा लिया।
ईंट का जवाब पत्थर से देना	कड़ा प्रतिउत्तर: सेना ने दुश्मन को ईंट का जवाब पत्थर से दिया।
नौ-दो ग्यारह होना	भाग जाना: पुलिस को देखकर चोर नौ-दो ग्यारह हो गया।

लेखन-गतिविधियाँ (आदर्श नमूने)

1. हीरा की डायरी (काँजीहौस का दिन)

उत्तर: *आज का दिन हमारे जीवन का सबसे कठिन दिन था। मोती की ज़िद में मटर के खेत में घुसे और पकड़े गए। सुबह हमें काँजीहौस में बंद कर दिया गया। यहाँ भैंसें, बकरियाँ, घोड़े, गधे सब भूखे खड़े हैं; किसी के सामने चारे का एक तिनका नहीं। भूख से पेट जल रहा है, और गुस्सा भी आ रहा है कि हमारी जान को कोई जान ही नहीं समझता। पर मेरा विश्वास अटल है: हम मिलकर इस दीवार को तोड़ेंगे और अपने झूरी के पास अवश्य लौटेंगे।*

2. आज के समाचार

उत्तर: 'दो बहादुर बैलों ने तोड़ीं बेड़ियाँ'

क.ख.ग. गाँव, 15 मार्च। कल रात गाँव के काँजीहौस में अनोखी घटना हुई। हीरा और मोती नामक दो बैलों ने अपने सींगों से बाड़े की कच्ची दीवार गिरा दी, जिससे वहाँ बंद भैंसें, बकरियाँ और घोड़ियाँ भाग निकलीं। चौकीदार ने एक बैल को रस्सी से बाँध दिया था; दूसरा बैल मित्र को छोड़कर नहीं भागा। ग्रामीणों ने बैलों की बहादुरी की प्रशंसा की और काँजीहौस में पशुओं को भूखा रखने पर नाराज़गी जताई।

3. कहानी का नया अंत (बैल वापस न लौटते)

उत्तर: *दढ़ियल के घर ले जाते समय रास्ते में एक बूढ़ा किसान उनकी दशा देखकर पसीज गया; उसने अपनी जमा-पूँजी देकर बैलों को खरीद लिया। अब हीरा-मोती उस किसान के घर शांति से रहते हैं, पर हर शाम पश्चिम की ओर देखकर झूरी को याद करते हैं। उधर झूरी रोज़ गाँव की राह पर निकलता है कि शायद उसके बैल लौट आएँ।*

SAMPLE • notesbazar.in

4. चित्रकथा (संवाद)

> **उत्तर:** चित्र 1: 'हमें यहाँ भूखा मार देंगे, मोती!' · चित्र 2: 'रात होते ही दीवार पर सींग मारेंगे।' · चित्र 3: 'ज़ोर लगाओ... दीवार गिर रही है!' · चित्र 4: '**अब हम आज़ाद हैं।**'

5. अभिनंदन-पत्र (बाल-सभा)

> **उत्तर: अभिनंदन-पत्र**: 'हे पशुवीर हीरा और मोती! तुमने अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाया, मित्रता का धर्म निभाया और काँजीहौस के बंदियों को मुक्त कराकर परोपकार का आदर्श रखा। हमारा गाँव तुम्हारे साहस पर गर्व करता है।' (बाल-सभा, क.ख.ग. गाँव)

महत्त्वपूर्ण परीक्षा प्रश्न, पूरी तरह हल ★★★

A. पठित गद्यांश (5 × 1)

> मोती ने आँखों में आँसू लाकर कहा– "तुम मुझे इतना स्वार्थी समझते हो, हीरा? हम और तुम इतने दिनों एक साथ रहे हैं। आज तुम विपत्ति में पड़ गए, तो मैं तुम्हें छोड़कर अलग हो जाऊँ।" हीरा ने कहा– "बहुत मार पड़ेगी। लोग समझ जाएँगे यह तुम्हारी शरारत है।" मोती गर्व से बोला– "जिस अपराध के लिए तुम्हारे गले में बंधन पड़ा, उसके लिए अगर मुझ पर मार पड़े, तो क्या चिंता। इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे।"

(i) मोती की आँखों में आँसू क्यों आए? (A) मार के डर से (B) हीरा ने उसे स्वार्थी समझा (C) भूख से (D) गधे नहीं भागे

(ii) 'अपराध' से आशय है: (A) मटर खाना (B) काँजीहौस की दीवार तोड़ना (C) गया को मारना (D) साँड़ से लड़ना

(iii) मोती के कथन से उसकी कौन-सी विशेषता प्रकट होती है? I. मित्र-भक्ति II. परोपकार III. स्वार्थ (A) केवल I (B) I और II (C) II और III (D) केवल III

(iv) कथन: मोती मार की चिंता नहीं करता। कारण: उसके कार्य से कई प्राणियों की जान बची। (A) दोनों सही, सही व्याख्या (B) दोनों सही, व्याख्या नहीं (C) कथन सही, कारण गलत (D) कथन गलत

(v) 'विपत्ति' का अर्थ: (A) संकट (B) प्रसन्नता (C) यात्रा (D) शत्रु

> **उत्तर:** (i) **(B)** (ii) **(B)** (iii) **(B)** (iv) **(A)** (v) **(A)**

> संध्या समय भैरो की छोटी-सी लड़की दो रोटियाँ लिए निकली और दोनों के मुँह में देकर चली गई... उसकी माँ मर चुकी थी। सौतेली माँ उसे मारती रहती थी, इसलिए इन बैलों से उसे एक प्रकार की आत्मीयता हो गई थी।

(i) लड़की को बैलों से आत्मीयता क्यों थी? (A) वे सुंदर थे (B) वह भी उनकी तरह पीड़ित थी (C) पिता ने कहा था (D) वे उसके थे

(ii) लड़की की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है? (A) करुणा (B) लालच (C) डर (D) क्रोध

(iii) 'आत्मीयता' का अर्थ: (A) अपनापन (B) घृणा (C) आत्मा (D) अकेलापन

> **उत्तर:** (i) **(B)** (ii) **(A)** (iii) **(A)**

B. लघु उत्तरीय (2–3 अंक)

1. लेखक ने गधे को 'परले दरजे का बेवकूफ़' कहे जाने पर क्या व्यंग्य किया है?

> **उत्तर:** लेखक का मत है कि गधा बेवकूफ़ नहीं, बल्कि **अत्यंत सीधा और सहनशील** है; वह कभी क्रोध नहीं करता, सुख-दुख में एक-सा रहता है। दुनिया सीधेपन को मूर्खता मान लेती है; इसी तरह अफ़्रीका में सीधे-सादे भारतवासियों की दुर्दशा होती है; वे 'ईंट का जवाब पत्थर से' देते तो 'सभ्य' कहलाते, जैसे जापान एक विजय से सभ्य माना गया।

2. झूरी की स्त्री ने बैलों को 'नमकहराम' क्यों कहा? क्या वह सही थी?

> **उत्तर:** बैल गया के घर एक दिन भी काम किए बिना भाग आए थे, इसलिए उसे लगा कि वे **कृतघ्न** हैं। वह सही नहीं थी: बैल अपने मालिक के प्रति **वफ़ादारी** के कारण लौटे थे; गया ने उन्हें मारा और भूखा रखा था। अंत में उसने स्वयं उनके माथे चूमे।

3. साँड़ से भिड़ंत में दोनों बैलों ने कौन-सी नीति अपनाई?

> **उत्तर: मिलकर लड़ने की नीति:** एक आगे से और दूसरा पीछे से वार करता; साँड़ जिस पर झपटता, दूसरा उस पर पीछे से हमला करता। दोनों ओर से मार पड़ने पर साँड़ बेदम होकर भागा। संदेश: **एकता में शक्ति** है।

4. काँजीहौस में गधे क्यों नहीं भागे? इससे क्या सीख मिलती है?

> **उत्तर:** उन्हें डर था कि 'जो कहीं फिर पकड़ लिए जाएँ'; **भय और संकोच** ने उन्हें जकड़ रखा था। सीख: डर के कारण अवसर खोने वाले गुलामी में ही रहते हैं; स्वतंत्रता के लिए साहस चाहिए।

5. 'मर जाऊँगा, पर उसके काम तो न आऊँगा।' आशय स्पष्ट कीजिए।

> **उत्तर:** मोती दढ़ियल (कसाई/शोषक) के अधीन रहकर जीने से **मर जाना** बेहतर समझता है। यह **स्वाभिमान और स्वतंत्रता** की भावना है; स्वतंत्रता सेनानी भी अंग्रेज़ों की सेवा के बजाय प्राण देना स्वीकार करते थे।

C. दीर्घ उत्तरीय (5 अंक)

1. 'दो बैलों की कथा' के आधार पर हीरा और मोती की मित्रता का वर्णन कीजिए।

> **उत्तर:** हीरा-मोती झूरी के घर साथ रहते-रहते **भाई जैसे मित्र** बन गए; वे मूक-भाषा में बातें करते, एक-दूसरे को चाटते-सूँघते, विनोद में सींग मिलाते। **सुख-दुख के साथी:** गया के घर दोनों ने मिलकर असहयोग किया; मोती ने उत्पात करना चाहा तो हीरा ने संभाला। **संकट में साथ:** साँड़ से मिलकर लड़े; मटर के खेत में मोती फँसा तो हीरा लौट आया; काँजीहौस में हीरा बँधा तो मोती अकेला न भागा और मार खाई। **पूरक स्वभाव:** हीरा का धैर्य और मोती का साहस मिलकर हर संकट पर विजय दिलाते हैं। यह मित्रता **त्याग, निष्ठा और एकता** का आदर्श है।

2. 'दो बैलों की कथा' स्वतंत्रता आंदोलन की भावना से कैसे जुड़ी है? स्पष्ट कीजिए।

> **उत्तर:** कहानी अंग्रेज़ी शासन के समय लिखी गई; प्रेमचंद स्वयं असहयोग आंदोलन से जुड़े थे। (1) हीरा-मोती **स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करती जनता** के प्रतीक हैं: वे बार-बार बंधन तोड़ते हैं ('ज़ोर तो मारता ही जाऊँगा, चाहे कितने ही बंधन पड़ते जाएँ')। (2) गया के घर **असहयोग** (हल न खींचना) गांधीजी के असहयोग जैसा है। (3) काँजीहौस **जेल/पराधीनता** है, जहाँ 'हमारी जान को कोई जान ही नहीं समझता'; दीवार तोड़कर सबको मुक्त कराना **क्रांतिकारी बलिदान** जैसा। (4) गधे डर से गुलामी स्वीकारने वालों के प्रतीक हैं। (5) 'मर जाऊँगा, पर उसके काम न आऊँगा' = विदेशी शासन की सेवा से इनकार। (6) अंत में घर-वापसी = **स्वराज** की प्राप्ति। संदेश: स्वतंत्रता बार-बार के संघर्ष से मिलती है।

3. कहानी में मनुष्य के किन रूपों का चित्रण हुआ है?

> **उत्तर:** **स्नेही:** झूरी (फूल की छड़ी से भी न छूना), छोटी लड़की (रोटी देना, रस्सी खोलना), अंत में मालकिन। **कठोर/स्वार्थी:** गया (मार, सूखा भूसा), काँजीहौस के कर्मचारी (भूखा रखना), दढ़ियल (कसाई)। **सहानुभूतिहीन भीड़:** नीलामी में 'मन फीका करके' लौटते लोग। कहानी बताती है कि पशुओं के प्रति व्यवहार से मनुष्य की संवेदना की परीक्षा होती है।

> ★ **परीक्षा-सुझाव:** दीर्घ उत्तर में **कहानी के संवाद/वाक्य** उद्धृत करें ('मर जाऊँगा...', 'गिरे हुए बैरी पर...'); इससे उत्तर प्रामाणिक और अंकदायी बनता है।

अभ्यास सेट: स्वयं को परखें

A. रिक्त: 1. प्रेमचंद का मूल नाम _____ था। 2. झूरी की जाति _____ थी। 3. हीरा-मोती _____ जाति के बैल थे। 4. गया झूरी का _____ था। 5. लड़की _____ की बेटी थी। 6. पशुओं के बाड़े को _____ कहते थे। 7. नीलामी में बैलों को एक _____ ने खरीदा। 8. अंत में _____ ने बैलों के माथे चूमे।

B. सही/गलत: 1. हीरा गुस्सैल था। 2. बैलों ने गया के घर हल खींचा। 3. लड़की की सौतेली माँ उसे मारती थी। 4. साँड़ से दोनों ने मिलकर लड़ाई की। 5. काँजीहौस से गधे सबसे पहले भागे। 6. मोती हीरा को छोड़कर भाग गया। 7. झूरी ने दढ़ियल को बैल सौंप दिए। 8. कहानी में पाँच भाग हैं।

C. अति लघु: 1. प्रेमचंद की कहानियाँ किस संकलन में? 2. 'दाँतों पसीना आना' का अर्थ? 3. गधा किस देश की मिसाल से तुलना में आया? 4. बैलों ने किस खेत में चरा? 5. 'उन्मत्त' का अर्थ? 6. काँजीहौस में कितने प्राणियों की जान बची? 7. बैलों का पहला भागना कब हुआ (दिन/रात)? 8. 'नमकहराम' किसने कहा?

D. लघु (2–3 अंक): 1. झूरी का बैलों के प्रति व्यवहार। 2. गया के घर बैलों का अपमान कैसे हुआ? 3. लड़की ने चिल्लाकर क्यों कहा कि बैल भागे जा रहे हैं? 4. मटर के खेत की घटना। 5. मोती की परोपकार-भावना। 6. नीलामी

के समय बैलों की मनोदशा। 7. दढ़ियल कौन था? 8. 'हमारी जान को कोई जान ही नहीं समझता': आशय।

E. विचारात्मक: 1. पशुओं के प्रति हमारा कर्तव्य। 2. मित्रता के गुण। 3. अन्याय का विरोध: कब और कैसे? 4. सीधापन: गुण या कमज़ोरी?

F. अंतर्पाठीय: 1. 'मैं और मेरा देश': देशप्रेम और हीरा-मोती का स्वाधीनता-भाव। 2. 'झाँसी की रानी' और मोती का साहस।

G. HOTS: 1. यदि आप झूरी होते तो बैलों को गया के घर भेजते? 2. आज पशु-अधिकारों के लिए कौन-से कानून हैं? 3. कहानी को नाटक में बदलें: पहला दृश्य लिखिए।

बहुविकल्पी प्रश्न: 20 MCQs

1. 'दो बैलों की कथा' के लेखक:
   (A) जैनेंद्र (B) यशपाल (C) प्रेमचंद (D) शेखर जोशी
2. प्रेमचंद का मूल नाम:
   (A) धनपत राय (B) नवाब राय (C) हरनाम दास (D) गोपाल राय
3. हीरा-मोती किसके बैल थे?
   (A) गया (B) भैरो (C) दढ़ियल (D) झूरी काछी
4. लेखक के अनुसार गधे को बेवकूफ़ की पदवी किससे मिली?
   (A) बुद्धि (B) सीधेपन और सहिष्णुता से (C) चालाकी (D) क्रोध
5. गया झूरी का:
   (A) भाई (B) साला (C) पिता (D) पड़ोसी
6. गया के घर बैलों को खाने में मिला:
   (A) खली-चूनी (B) दाना (C) मटर (D) सूखा भूसा
7. छोटी लड़की की माँ:
   (A) मर चुकी थी (B) बाहर गई थी (C) बीमार थी (D) दयालु थी
8. 'गिरे हुए बैरी पर सींग न चलाना चाहिए' किसने कहा?
   (A) मोती (B) झूरी (C) हीरा (D) लड़की
9. साँड़ को किसने भगाया?
   (A) गाँव वालों ने (B) झूरी ने (C) गया ने (D) दोनों बैलों ने मिलकर
10. काँजीहौस की दीवार पहले किसने तोड़नी शुरू की?
    (A) मोती (B) हीरा (C) घोड़े (D) गधे
11. काँजीहौस से कौन नहीं भागे?
    (A) बकरियाँ (B) भैंसें (C) दोनों गधे (D) घोड़ियाँ
12. 'तुम मुझे इतना स्वार्थी समझते हो?' किसने कहा?
    (A) मोती (B) हीरा (C) झूरी (D) गया
13. नीलामी में बैलों को खरीदा:
    (A) झूरी (B) दढ़ियल आदमी (C) मुंशी (D) गया
14. 'नमकहराम' किसने कहा?
    (A) लड़की (B) गया (C) झूरी की स्त्री (D) दढ़ियल
15. कहानी में स्वतंत्रता आंदोलन का संकेत:
    (A) नहीं है (B) मटर (C) झूरी की खेती (D) हीरा-मोती का बार-बार बंधन तोड़ना
16. 'नौ-दो ग्यारह होना' का अर्थ:
    (A) भाग जाना (B) झगड़ना (C) गिनती करना (D) जीतना
17. बैलों को अंत में मालिक के घर पहुँचाने में मदद की:
    (A) परिचित राह ने (B) लड़की ने (C) झूरी ने (D) पुलिस ने
18. 'काँजीहौस' है:
    (A) अस्पताल (B) बाज़ार (C) गोशाला (D) आवारा पशुओं का बाड़ा
19. 'जापान की मिसाल' किस संदर्भ में?
    (A) व्यापार (B) एक विजय से सभ्य माने जाने (C) तकनीक (D) शिक्षा
20. कहानी किस परंपरा को आगे बढ़ाती है?
    (A) लोकगीत (B) रामायण (C) पंचतंत्र-हितोपदेश (D) नाटक

1 (C) · 2 (A) · 3 (D) · 4 (B) · 5 (B) · 6 (D) · 7 (A) · 8 (C) · 9 (D) · 10 (B) · 11 (C) · 12 (A) · 13 (B) · 14 (C) · 15 (D) · 16 (A) · 17 (A) · 18 (D) · 19 (B) · 20 (C)

SAMPLE · notesbazar.in

कथन-कारण (6)

(A) दोनों सही, सही व्याख्या। (B) दोनों सही, व्याख्या नहीं। (C) कथन सही, कारण गलत। (D) कथन गलत, कारण सही।

1. कथन: बैलों ने गया के घर हल नहीं खींचा। कारण: उन्हें लगा कि मालिक ने उन्हें बेच दिया और गया ने उनका अपमान किया।
2. कथन: लड़की को बैलों से आत्मीयता थी। कारण: वह भी सौतेली माँ के अत्याचार से पीड़ित थी।
3. कथन: गधे काँजीहौस से भाग गए। कारण: दीवार टूट गई थी।
4. कथन: हीरा ने मोती को साँड़ का पीछा करने से रोका। कारण: गिरे हुए बैरी पर वार नहीं करना चाहिए।
5. कथन: मोती ने हीरा को छोड़कर भागने से इनकार किया। कारण: वह मार से डरता था।
6. कथन: मालकिन ने अंत में बैलों के माथे चूमे। कारण: वह शुरू से ही बैलों से बहुत प्रेम करती थी।

उत्तर: 1 (A) · 2 (A) · 3 (D) · 4 (A) · 5 (C) · 6 (C)

उत्तर

A. 1. धनपत राय 2. काछी 3. पछाईं 4. साला 5. भैरो 6. काँजीहौस 7. दढ़ियल आदमी 8. मालकिन (झूरी की स्त्री)

B. 1. गलत (मोती) 2. गलत 3. सही 4. सही 5. गलत 6. गलत 7. गलत 8. सही

C. 1. मानसरोवर (8 भाग) 2. बहुत कठिनाई होना 3. जापान 4. मटर 5. मतवाला 6. नौ-दस 7. रात 8. झूरी की स्त्री

D. संकेत: 1. अत्यंत स्नेह, फूल की छड़ी से भी न छूना, लौटने पर गले लगाना। 2. मोटी रस्सी, सूखा भूसा, डंडे। 3. ताकि उस पर संदेह न हो। 4. मोती घुसा, फँसा; हीरा लौटा; दोनों पकड़े गए। 5. काँजीहौस के जानवरों और गधों को निकालना। 6. भय, निराशा, अंतर्ज्ञान से दिल काँपना। 7. कसाई जैसा कठोर व्यक्ति। 8. मनुष्य पशुओं के प्राणों की परवाह नहीं करता।

E–G: स्वतंत्र उत्तर (संकेत: भोजन, उपचार, क्रूरता से बचाव; त्याग, निष्ठा, साथ; मर्यादा में विरोध; सीधापन गुण है, पर अन्याय सहना नहीं)।

F. 1. दोनों में मातृभूमि/घर के प्रति प्रेम और त्याग। 2. दोनों अन्याय के विरुद्ध निडर संघर्ष के प्रतीक।

अंतिम-रात सारांश (परीक्षा से पहले)

- प्रेमचंद (1880–1936), लमही; धनपत राय; मानसरोवर; गोदान; पंचतंत्र-हितोपदेश परंपरा; स्वतंत्रता के लिए बार-बार संघर्ष।
- भूमिका: गधे का सीधापन = 'बेवकूफ़'; अफ़्रीका के भारतवासी, जापान (व्यंग्य)।
- भाग 1: झूरी के पछाईं बैल; गया ले गया; रात को पगहे तुड़ाकर लौटे; स्त्री: 'नमकहराम'। भाग 2: मोटी रस्सी, सूखा भूसा, हल न खींचना, मार; भैरो की लड़की (सौतेली माँ) रोटी देती, रस्सी खोलती।
- भाग 3: भटकना, मटर; साँड़ से मिलकर लड़ाई; 'गिरे हुए बैरी पर सींग न चलाना'। भाग 4: मटर का खेत, काँजीहौस; दीवार तोड़ी, जानवर भागे, गधे नहीं; मोती ने हीरा को नहीं छोड़ा।
- भाग 5: भूखे, नीलामी, दढ़ियल; परिचित राह, घर; मोती ने दढ़ियल को भगाया; 'मर जाऊँगा, पर उसके काम तो न आऊँगा'; मालकिन ने माथे चूमे।

SAMPLE · notesbazar.in